



अन्नदाता का संकट : क्या है जमीनी हकीकत?

Agriculture Development in Madhya Pradesh

1. Agricultural Regional Disparities : A Case of Madhya Pradesh
2. Farm and Non – Farm Linkages in Madhya Pradesh
3. Farm Mechanization among Tribal Farmers in Madhya Pradesh
4. Agriculture NPAs in Madhya Pradesh : A Trend Analysis
5. Climate Change and Agricultural Production : An Empirical Investigation of Madhya Pradesh
6. Double-Digit Agricultural Growth and Farmers' Suicide in Madhya Pradesh : An Ironical Fact
7. A Comparative Analysis of Regional Pattern of Agricultural Development in Madhya Pradesh
8. Women Empowerment through Agricultural Resources in Tribal Districts of Madhya Pradesh
9. Doubling Farmers Income by 2022 in Madhya Pradesh : Roadmap, Trend, Issues and Challenges

Gandhian Economy

10. मध्यप्रदेश कृषि जनित विकास सामाजिक तथा समावेशी विकास का उपागम
11. ग्रामीण जनजातीय क्षेत्र में कृषि की आधुनिक तकनीकी का उत्पादन पर प्रभाव
12. मध्यप्रदेश में जैविक खेती की सम्भावनाएँ : एक अध्ययन
13. An Overview of Khadi Industries and Gandhian Economics
14. Gandhian Economics and Ecological Sustainability
15. Access to Basic Amenities : A Gandhian Dream to Inclusive India
16. Rural Development in India : An Overview of Mahatma Gandhi
17. Economic Ideas of Mahatma Gandhi in Indian Economy
18. Significance of Gandhian Economic Thought in Current Scenario
19. महात्मा गांधी का चिन्तन

Contents

Managing Editor's Note

List of Contributors

Presidential Address : अन्नदाता का संकट : क्या है जमीनी हकीकत?

गिरीश मोहन दुबे

1

Theme 1 - Agriculture Development in Madhya Pradesh

Agricultural Regional Disparities : A Case of Madhya Pradesh

Tanima Dutta, Anupama Rawat, Jaspal Singh

19

Farm and Non – Farm Linkages in Madhya Pradesh

Seema Shrivastava

33

Farm Mechanization among Tribal Farmers in Madhya Pradesh

Vishakha Kutumble, Kanhaiya Ahuja, Vikas Kumar

39

Agriculture NPAs in Madhya Pradesh: A Trend Analysis

S.K. Shukla, Komal Raghav

57

Climate Change and Agricultural Production: An Empirical

Investigation of Madhya Pradesh

M. Vasim Khan

69

Double-Digit Agricultural Growth and Farmers' Suicide in

Madhya Pradesh : An Ironical Fact

Anjali Jain

79

A comparative Analysis of Regional Pattern of Agricultural

Development in Madhya Pradesh

Roopali Shevalkar

87

Women Empowerment through Agricultural Resources

in Tribal Districts of Madhya Pradesh

S.P. Singh

95

Doubling Farmers Income by 2022 in Madhy Pradesh :

Roadmap, Trend, Issues and Challenges

Tulsiram Dahayat, Keshav Tekam

111

मध्यप्रदेश कृषि जनित विकास सामाजिक तथा समावेशी विकास का उपागम

गणेश कावड़िया, इरा तिवारी

119

ग्रामीण जनजातीय क्षेत्र में कृषि की आधुनिक तकनीकी का उत्पादन पर प्रभाव

सखाराम मुजाल्दे, संग्राम भूषण

133

मध्यप्रदेश में जैविक खेती की सम्भावनाएँ : एक अध्ययन

अर्चना सतनामी, नरेन्द्र कुमार कोष्टी

147

अन्नदाता का संकट : क्या है ज़मीनी हकीकत ?

गिरीश मोहन दुबे

मध्यप्रदेश आर्थिक परिषद के 29 वें वार्षिक अधिवेशन में "अन्नदाता का संकट: क्या है ज़मीनी हकीकत?" पर अध्यक्षीय उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष का अनुभव हो रहा है। 1999 में भोपाल में आयोजित परिषद के 15 वें अधिवेशन में मुझे सर्वप्रथम सेवा करने का अवसर प्राप्त हुआ था, तब से विगत 20 वर्षों में इस परिषद द्वारा सौंपे गए विभिन्न दायित्वों के निर्वहन का मुझे सुअवसर प्राप्त होता रहा है।

भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि का प्रमुख योगदान है। यह क्षेत्र देश की लगभग आधी कार्यशक्ति को रोजगार प्रदान करने, बढ़ती हुई जनसंख्या के लिए खाद्यान्नों को आपूर्ति करने, औद्योगिक विकास करने एवं गरीबी निवारण में प्रमुख भूमिका का निर्वाह करता है। विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं में उठाए गए तकनीकी उपायों, भूमि सुधार, संस्थागत साख व्यवस्था, वसूली व समर्थन कीमतों, कृषि आगतों पर आर्थिक सहायता, खाद्य सुरक्षा व्यवस्था, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, ग्रामीण विद्युतीकरण एवं विभिन्न ग्रामीण रोजगार कार्यक्रमों ने कृषि उत्पादन व उत्पादकता बढ़ाने के साथ ही ग्रामीण गरीबी को भी कम करने में योगदान दिया है। किंतु इसके बावजूद कृषि क्षेत्र में हम अपेक्षित प्रगति नहीं कर सके हैं और समाज के एक बड़े वर्ग की, मूलभूत सुविधाओं तक पहुँच सुनिश्चित नहीं हो सकी है।

जहां एक ओर सरकार ने किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य तय किया है, वहीं हमारे अन्नदाता आज भी अनेक दुश्वारियों का सामना कर रहे हैं। कृषि क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं ने आर्थिक परिदृश्य पर सुखियां बटोरी हैं। वस्तुतः यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि लगभग 7 दशकों पश्चात आज भी देश के किसानों के लिए खेती मानसून का जुआ है। दो तिहाई कृषि क्षेत्र आज भी भगवान भरोसे है। कृषि की अनिश्चितता, घटते रकवे, सिंचाई का अकुशल प्रबंधन, रासायनिक खादों के अंधाधुंध एवं अनुपातहीन प्रयोग, अकुशल विपणन व्यवस्था, मध्यस्थों द्वारा शोषण, कृषि क्षेत्र में मांग की कमी, मंहगे आदानों जैसे ईंधन, खाद, बीज एवं मजदूरी से बढ़ती लागत एवं उत्पादन का लाभकारी मूल्य नहीं मिलना आदि अनेक कारणों से हमारा अन्नदाता संकट में है।

Presidential address delivered at XXIX annual conference of Madhya Pradesh Economic Association hosted by Department of Economics, Rani Durgavati University, Jabalpur on 11-12, February, 2019.

र्य

करना होगा, प्रोत्साहन (इंसेंटिव), निवेश (इंवेस्टमेंट), आधारभूत ढांचा (इंफ्रास्ट्रक्चर),
तकनीक (इंटीट्यूशन) और सूचना (इन्फॉर्मेशन)।

क्रम

स्त

तर

कि

हो

की

गई

से

हेत

क्रम

न्न

र्फ

ल

है।

था

क्रम

के

की

ग्य

क

को

में

न्हें

ही

को

के

क्षेत्र

तार

के

तक

ति

क

चा

क्षेत्र

कि

में

मंदी

किसानों के लिए - आर्थिक मानकों पर देश के 10 करोड़ किसान परिवार बहुत ही असुरक्षित हैं।

<http://thewirehindi-com>

कृषि - कर्ज माफी अंतिम उपाय नहीं : <http://www-im4change-org/hindi>

कृषि - तीन साल में 17 प्रतिशत घटी किसानों की खेती से कमाई, 10 प्रतिशत कम हुए कृषि

परिवार <http://thewirehindi-com>

कृषि - सरकार की अनदेखी करते समाधान <http://www-im4change-org/hindi>

कृषि - क्या होता है MSP जिसके लिए देश के किसानों ने 'गांव बंद' किया है? <https://www-thelallantop-com/>

कृषि - अगर भारतीय कृषि को पुनर्मांषित करने की जरूरत <http://nayamorchablogspot-com>

कृषि - किसानों को लेकर नीतियां बहुत हैं लेकिन किसानों की आय बढ़ाने पर जोर नहीं संसदीय समिति

<http://thewirehindi-com>

किसानों को नहीं मिल रही एमएसपी, औने-पौने दाम पर उपज बेचने को मजबूर

<http://thewirehindi-com>

किसानों की आमदनी में सालाना बढ़वार सिर्फ 5.6 फीसद- नाबार्डकी नई रिपोर्ट <http://www-im4change-org/hindi>

आत्महत्या क्यों कर रहे हैं हमारे किसान marstighthindi@gmail.com.

आत्महत्या क्यों कर रहे हैं हमारे किसान marstighthindi@gmail.com.

<https://www-gaonconnection-com> Devinder Sharma

आत्महत्या क्यों कर रहे हैं हमारे किसान <https://aajtak-intoday-in>

किसानों ने फिर से दिल्ली में लगाया है जमावड़ा-<https://hindi-news18-com>

राष्ट्रीय किसान आयोग <https://hi-wikipedia-org/>

वैदिक भारकर, सागर,
राष्ट्रीय ऑफिस, डीडिया, न्यू डेली
बिजनेस स्टैंडर्ड, भोपाल